सांवरे रखना मेरा ध्यान | by Shefali Avinash Harore

कलयुग के अवतार मेरे श्याम लखदातार
तुम बन के पालनहार सांवरे रखना मेरा ध्यम
तुम रखना मेरा ध्यान
मिलता रहे हर बार मुझे तुमसे पिता का प्यार
देकर भाई सा दुलार सांवरे रखना मेरा ध्यान
तुम रखना मेरा ध्यान

बाबा मेरे जीवन में छाया है कैसा मौसम
जहाँ चारों और निराशा और पल खुशियों के हैं कम
मैं हारा तू सहारा अब तुम्हे पुकारे हम
नैया है मझधार तूफ़ान में गुम पतवार
तुम बन के खेवनहार सांवरे रखना मेरा ध्यम
तुम रखना मेरा ध्यान .....

सूरज चंदा के जैसे दो दीप मेरे आँगन के
बेवक़्त ही तेज़ हवाएं उन्हें बुझा गई जीवन से
अब अँधेरा ही अँधेरा बस रहा है मेरे मन में
दुखियों के दातार अब श्याम तेरी दरकार
तुम बना के मेरा परिवार सांवरे रखना मेरा ध्यम
तुम रखना मेरा ध्यान ----------

मैंने ये सूना मिट जाती तेरे द्वार से हर मजबूरी
तुम साथी बनकर करते मन की आशाएं पूरी
भक्तों के रखवाले फिर से हम से है क्यों दूरी
किस्मत मेरी संवार ना भूलूँ तेरा उपकार
अब अर्ज़ी एहि हर बार सांवरे रखना मेरा ध्यम
तुम रखना मेरा ध्यान
कलयुग के अवतार .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%96%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a7%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-shefali-avinash-haro/